लइकन खातिर बाइबिल प्रस्तुति

प्रस्तुतकर्ता

ईसांनी दु:ख के शुरुआत

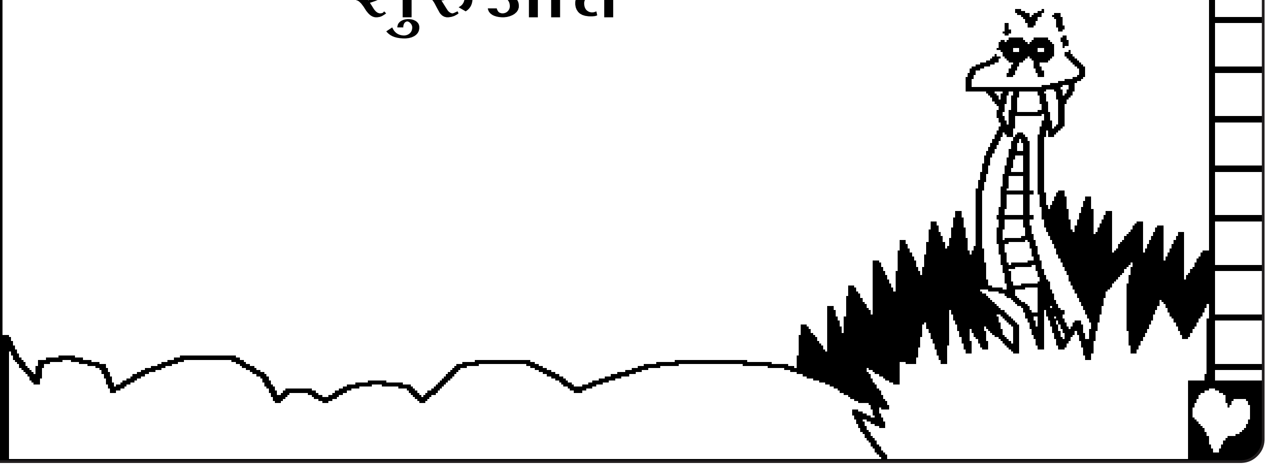

लेखक: Edward Hughes

अनुवादकः सुरेश मसीह

ब्याख्याकर: Byron Unger; Lazarus

अनुकूलित: M. Maillot; Tammy S.

कहानी 2 से 60

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

Bhojpuri

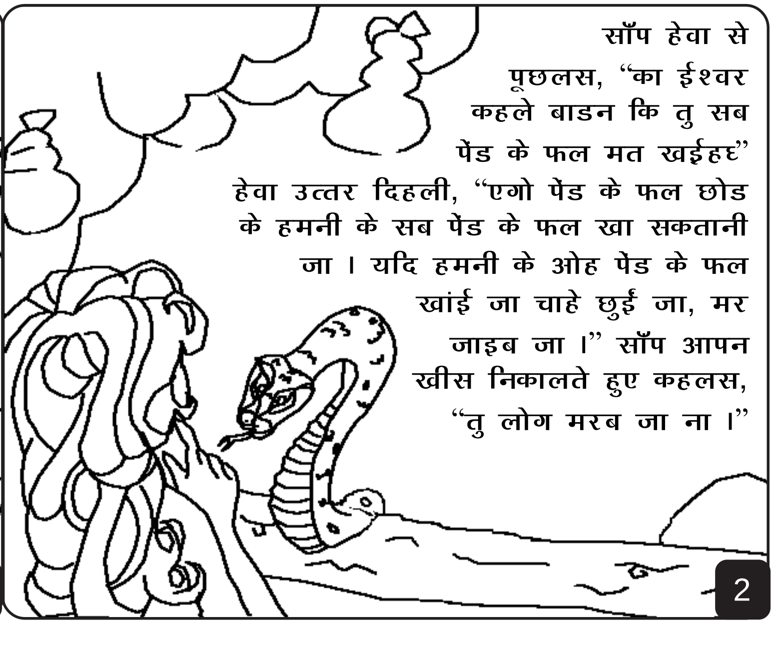

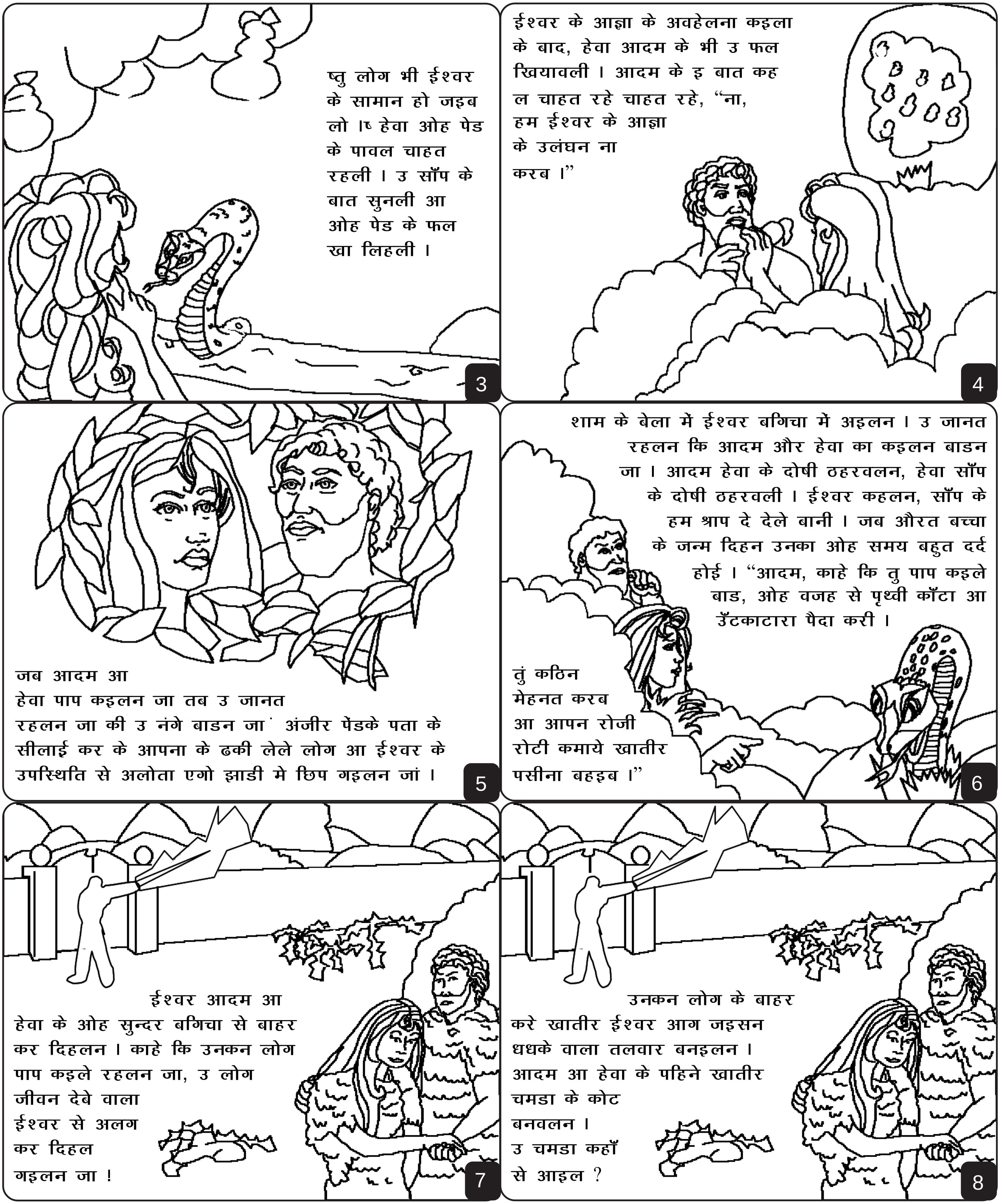
ष्तु लोग भी ईश्वर के सामान हो जइब लो ।ष हेवा ओह पेड के पावल चाहत रहली । उ साँप के बात सुनली आ ओह पेड के फल खा लिहली ।
3
ईश्वर के आज्ञा के अवहेलना कइला के बाद, हेवा आदम के भी उ फल खियावली । आदम के इ बात कह ल चाहत रहे चाहत रहे, “ना, हम ईश्वर के आज्ञा के उलंघन ना करब ।”
4
जब आदम आ हेवा पाप कइलन जा तब उ जानत रहलन जा की उ नंगे बाडन जा˙ अंजीर पेंडके पता के सीलाई कर के आपना के ढकी लेले लोग आ ईश्वर के उपस्थिति से अलोता एगो झाडी मे छिप गइलन जां ।
5
शाम के बेला में ईश्वर बगिचा में अइलन । उ जानत रहलन कि आदम और हेवा का कइलन बाडन जा । आदम हेवा के दोषी ठहरवलन, हेवा साँप के दोषी ठहरवली । ईश्वर कहलन, साँप के हम श्राप दे देले बानी । जब औरत बच्चा के जन्म दिहन उनका ओह समय बहुत दर्द होई । “आदम, काहे कि तु पाप कइले बाड, ओह वजह से पृथ्वी काँटा आ उँटकाटारा पैदा करी ।
तुं कठिन मेहनत करब आ आपन रोजी रोटी कमाये खातीर पसीना बहइब ।”
6
ईश्वर आदम आ हेवा के ओह सुन्दर बगिचा से बाहर कर दिहलन । काहे कि उनकन लोग पाप कइले रहलन जा, उ लोग जीवन देबे वाला ईश्वर से अलग कर दिहल गइलन जा !
7
उनकन लोग के बाहर करे खातीर ईश्वर आग जइसन धधके वाला तलवार बनइलन । आदम आ हेवा के पहिने खातीर चमडा के कोट बनवलन । उ चमडा कहाँ से आइल ?
8

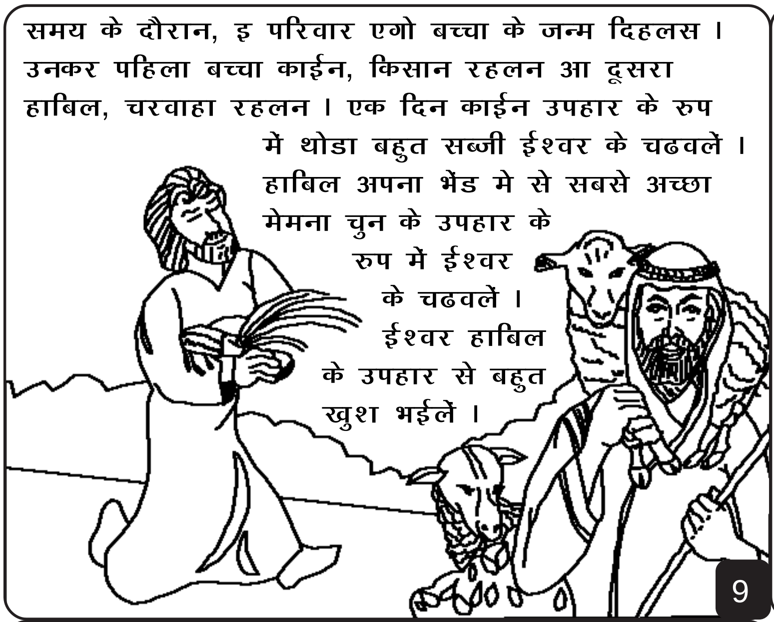
समय के दौरान, इ परिवार एगो बच्चा के जन्म दिहलस । उनकर पहिला बच्चा काईन, किसान रहलन आ दूसरा हाबिल, चरवाहा रहलन । एक दिन काईन उपहार के रुप में थोडा बहुत सब्जी ईश्वर के चढवलें । हाबिल अपना भेंड मे से सबसे अच्छा मेमना चुन के उपहार के रुप में ईश्वर के चढवलें । ईश्वर हाबिल के उपहार से बहुत खुश भईलें ।
9

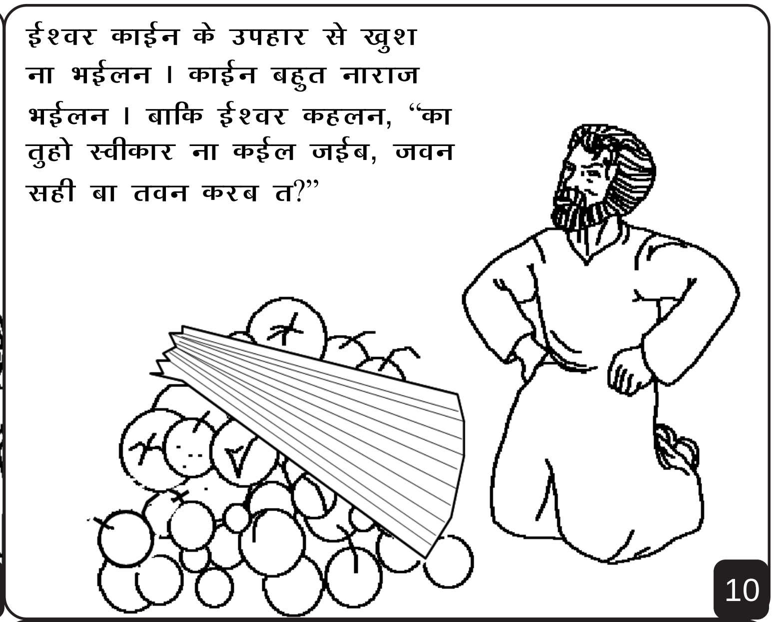
ईश्वर काईन के उपहार से खुश ना भईलन । काईन बहुत नाराज भईलन । बाकि ईश्वर कहलन, “का तुहो स्वीकार ना कईल जईब, जवन सही बा तवन करब त?”
10

काइन के नाराजगी ओरात ना रहे । कुछ समय के बाद, खेत में हाबिल पर आक्रमण कइलन आ उनका के मार दिहलन !
11

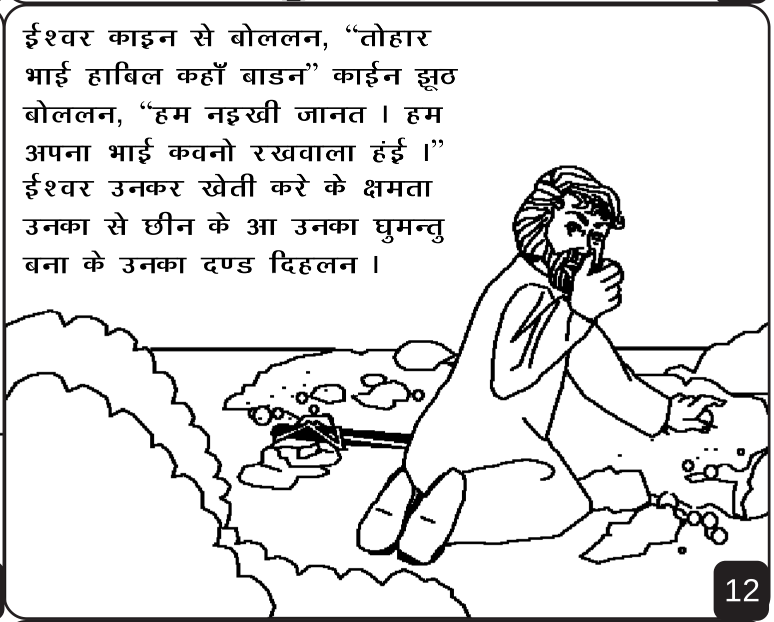
ईश्वर काइन से बोललन, “तोहार भाई हाबिल कहाँ बाडन” काईन झूठ बोललन, “हम नइखी जानत । हम अपना भाई कवनो रखवाला हंई ।” ईश्वर उनकर खेती करे के क्षमता उनका से छीन के आ उनका घुमन्तु बना के उनका दण्ड दिहलन ।
12

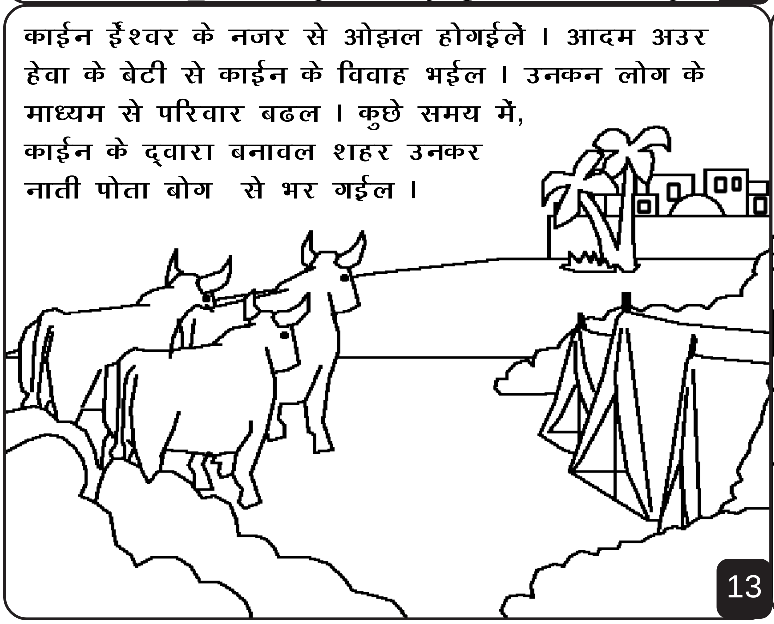
काईन ईश्वर के नजर से ओझल होगईलें । आदम अउर हेवा के बेटी से काईन के विवाह भईल । उनकन लोग के माध्यम से परिवार बढल । कुछे समय में, काईन के द्वारा बनावल शहर उनकर नाती पोता बोग से भर गईल ।
13

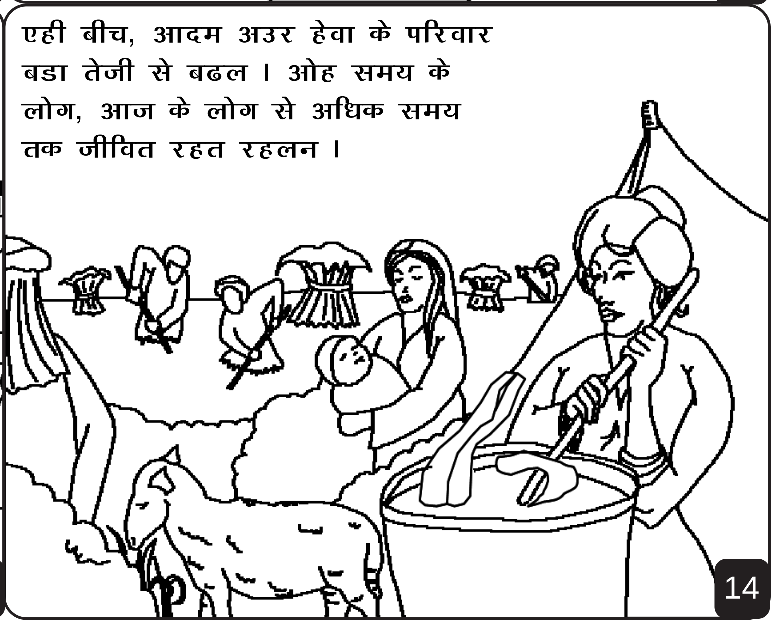
एही बीच, आदम अउर हेवा के परिवार बडा तेजी से बढल । ओह समय के लोग, आज के लोग से अधिक समय तक जीवित रहत रहलन ।
14

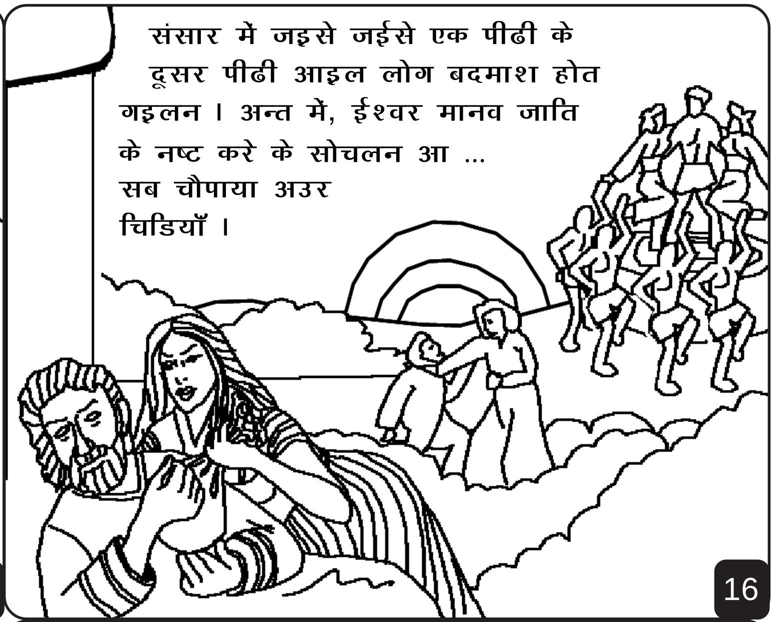

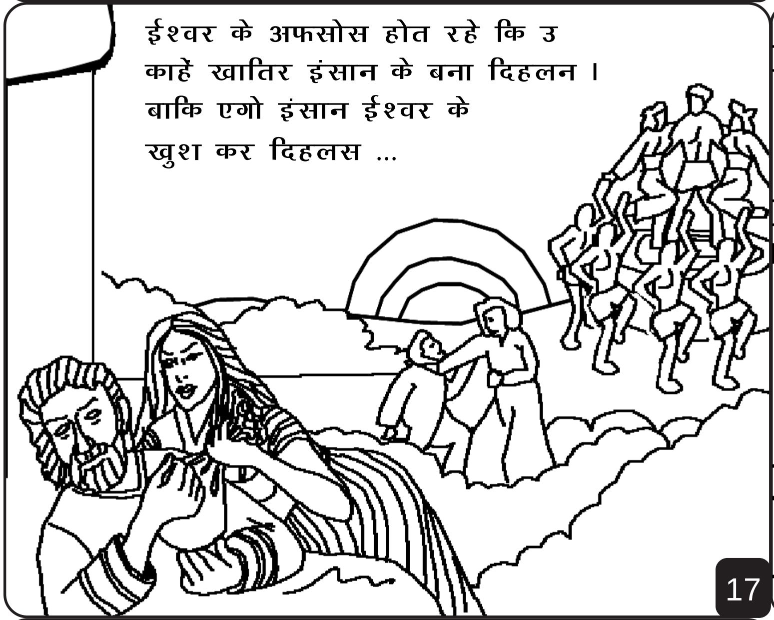

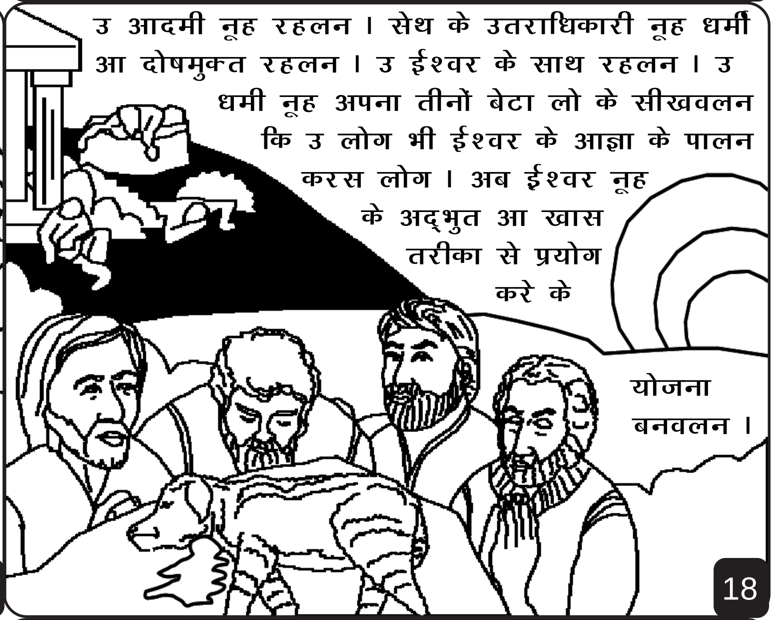

ईसांनी दुःख के शुरुआत

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

उत्पति ३ - ६

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के धरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कही : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउआ हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !